



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 323]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 31, 1982/श्रावण 9, 1904

No. 323]

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 31, 1982/SRAVANA 9, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली, 31 जुलाई 1982

आय-कर

का०अ० 546(अ) :- केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 295 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् :-

1. (1) इन नियमों का सक्षिप्त नाम आयकर (आठवां संशोधन) नियम, 1982 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन के ताराख को प्रवृत्त होंगे।

2. आयकर नियम, 1962 में (जिसे इसमें इसके पश्चात् मूल नियम कहा गया है) नियम 488 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया जावेगा, अर्थात् :-

“48 पथः विवरण धारा 269 कख के अधिन सक्षम प्राधिकार के पास रजिस्ट्रकृत किया जावेगा।

(1) धारा 269 कख की उपधारा (2) के अधिन सक्षम प्राधिकारी के पास रजिस्ट्रकृत किये जाने के लिये अपेक्षित विवरण प्ररूप

सं० 37 कड में होगा और उस धारा का उपधारा (1) में निर्दिष्ट संव्यवहार के प्रत्येक पक्षकार द्वारा या ऐसे संव्यवहार के किता पक्षकार द्वारा, जो अपनी ओर से या अन्य पक्षकारों की ओर से कार्य कर रहा है, हस्ताक्षरित और उसमें उपर्युक्त शक्ति से सत्यापित किया जावेगा।

(2) प्ररूप 37 कड में विवरण दो प्रतियों में दिया जावेगा और सक्षम प्राधिकारी का उस तारीख से तीस दिन की अवधि के भीतर दिया जावेगा जिसको धारा 269 कख की उपधारा (1) में निविष्ट संव्यवहार किया जाता है :

परन्तु किता ऐसे संव्यवहार के संबंध में जो 1 जुलाई, 1982 और आयकर (आठवां संशोधन) नियम, 1982 के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख के बीच किया गया है, इस उपनियम के उपबन्ध इस प्रकार प्रभाव होंगे मानो “तीस दिन” शब्दों के स्थान पर “साठ दिन” शब्द रखे गये हों।

(3) जहां सक्षम प्राधिकारी यह समझता है कि धारा 269 कख की उपधारा (2) के अधिन दिया गया प्ररूप 39 कड में विवरण सृष्टिपूर्ण है वहां वह, यथास्थिति, ऐसा विवरण पेश करने वाले पक्षकारों या पक्षकार की दृष्टि के विषय में संसूचित कर सकेगा और उन्हें ऐसा संसूचना के पत्र दिने के भीतर या ऐसा अतिरिक्त अवधि के भीतर जा सक्षम प्राधिकारी, इस निमित्त किये गये आदेश पर स्वविवेकानुसार अनुशास कर, दृष्टि को सुधारने का अवसर देगा और यदि उस दृष्टि को.

यथास्थिति, पंद्रह दिन या इस प्रकार अनुज्ञात अतिरिक्त अवधि के भीतर सुधारा नहीं जाता है ता इस नियम के किंवा अन्य उपबन्ध में किंवा बात के होने हुए भी प्रस्ता 37 डब में विवरण का अधिमान्य विवरण माना जायेगा और इस अधिनियम के उपबन्ध इस प्रकार लागू होंगे माना संव्यवहार के पक्षकारों ने धारा 269 कख के उपबन्धों का अनुपालन नहीं किया है।

(4) सक्षम प्राधिकार, यथास्थिति प्रस्ता 37 डब में विवरण अपने द्वारा प्राप्त करने या उपनियम (3) में श्रुतियों के सुधार करने का तारीख में साठ दिन का अवधि के भीतर धारा 269 कख के अधीन विवरण का रजिस्ट्रार करने का आदेश देगा और यदि उक्त साठ दिन के भीतर सक्षम प्राधिकार द्वारा ऐसा कोई आदेश नहीं किया जाता है तो विवरण धारा 269 कख के अधीन उस तारीख का रजिस्ट्रार करने समझा जायेगा जिसका उक्त साठ दिन का अवधि समाप्त होता है।

3 मूल नियमों के उपबन्ध 2 में प्रस्ता सं 37 ड के पश्चात् निम्नलिखित प्रहय अस्तित्वापित किया जायेगा, अर्थात् --

“प्रस्ता सं 37 ड

[नियम 48 वष देखिए]

सक्षम प्राधिकारों के पास अथवा अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख (2) के अधीन रजिस्ट्रार करने के लिए जाने वाला विवरण—

1. अन्तरक का नाम और पता
2. अन्तरिता का नाम और पता
3. (अ) अन्तरित संपत्ति का विस्तृत वर्णन, अवस्थिति और उसका अन्य विनिर्दिष्ट

4. भूमि सुकन श्रुति है या पट्टाश्रुति

5. भवन की दशा में,—

(क) प्रतिफल कुर्मी क्षेत्र (प्लॉट एरिया)

(ख) वह वर्ष या वे वर्ष, जिसमें या जिनमें भवन सन्निहित हुआ था।

6. जहां संपत्ति अन्तरण में धारा 269 कख (1) (क) में निर्दिष्ट प्रकृति या संव्यवहार अन्तर्बलित है—

(क) अन्तरण का तारीख

(ख) वह तारीख जिसका संपत्ति का कब्जा अन्तरितों द्वारा लिया गया था।

यदि ऊपर (ख) में का तारीख ऊपर (क) में का तारीख से पूर्ववर्ती है और अन्तरिता सविदा के भागिक पालन में संपत्ति का कब्जा प्रतिधारित करता है और सविदा को अग्रसर करने के लिये कुछ अन्य कार्य करता है, तो—

(i) सविदा को अग्रसर करने के लिये अन्तरिता द्वारा किये गये कार्य को प्रकृति ;

(ii) वह तारीख जिसका अन्तरितों द्वारा ऐसा कार्य किया गया था। (सविदा का एक प्रति भा सलग करे)

7. जहां संपत्ति के अन्तरण में, धारा 269 कख (1) (ख) में निर्दिष्ट प्रकृति का संव्यवहार अन्तर्बलित है —

(क) सहकारों, सांसाइटी, कपनों अन्य व्यक्ति सगम का नाम और पता

(ख) सहकारों, सांसाइटी, कपनों या अन्य व्यक्ति सगम का सदस्य बनने और/या शेयर अर्जित करने का तारीख

(ग) शेयरों की संख्या और उनका अंकित मूल्य

(घ) यदि अन्तरण, सहकारों, सांसाइटी, कपनों या अन्य व्यक्ति सगम में शेयरों के अन्तरण से भिन्न गति में है तो—

(1) उस कार्य का प्रकृति, जिसका प्रभाव संपत्ति अन्तरण का या उसके उपयोग के लिये समर्थ बनाना है।

(2) वह तारीख जिसका ऐसा कार्य किया गया था (कारण और ठंडाव का शर्तें अधिकारित करने हुए एक विवरण सलग करे)।

8. संपत्ति के अधिभाग व्यक्ति (अवस्थितियों) का, यदि कोई है, नाम और पता।

9. *संपत्ति में हितबद्ध किंसा अन्य व्यक्ति (किन्हीं अन्य व्यक्तियों) का नाम और पता।

10. अन्तरण के लिये प्रतिकत।

11. संपत्ति का प्राक्कलित उचित बाजार मूल्य।

12. यदि अन्तरण विनियम के रूप में है तो उस वस्तु या उन वस्तुओं का वर्णन और उसका अवस्थिति, जिनके लिये संपत्ति का विनियम किया जाता है।

13. निम्न 12 के सामने उल्लिखित वस्तु या वस्तुओं का उचित बाजार मूल्य।

14. यदि अन्तरण के लिये प्रतिकत, प्राक्कलित उचित बाजार मूल्य से कम है तो क्या अन्तरितों अन्तरक का नानेवार है और यदि ऐसा है तो नानेवार का उल्लेख करे और यह उल्लेख करे कि क्या ऐसे प्रतिकत के लिये जो उचित बाजार मूल्य से कम है, अन्तरण नैसर्गिक प्रेम और स्नेह के कारण है।

विवरण देने वाले व्यक्ति (व्यक्तियों) का/के हस्ताक्षर

सत्यापन

मे/हम-----द्वारा घोषणा करता हू/करते हैं कि जो कुछ ऊपर कहा गया है वह मेरे/हमारे सर्वोच्च ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही है।

आज तारीख-----को सत्यापित।

हस्ताक्षर

टिप्पण

1. (i) यदि स्थान अपर्याप्त है तो इस प्रयाजन के लिये पृथक सलगको का प्रयोग करे।

2. *“हितबद्ध व्यक्ति” के अन्तर्गत स्थावर संपत्ति के सबंध में वे सभी व्यक्ति हैं जो आयाकर अधिनियम, 1961 के अध्याय 20क के अधिनियम उस संपत्ति के अर्जन के कारण संदेय प्रतिकर में हित का दावा करते हैं या दावा करने के हकदार हैं।

3. किंसा अन्तरित स्थावर संपत्ति के सबंध में “उचित बाजार मूल्य” से अभिप्रेत है वह कामत जो खुले बाजार में ऐसी संपत्ति के अन्तरण का लिखत के निष्पादन का तारीख का खुले बाजार में उस स्थावर संपत्ति के विक्रय करने पर सामूचा तार पर प्राप्त हो।

4. उस विवरण पर आयाकर अधिनियम, 1961 का धारा 269 कख (1) में निर्दिष्ट संव्यवहार के प्रत्येक पक्षकार द्वारा या स्वयं का और से और अन्य पक्षकारों का और से कार्य का रहे है प 145 क किसी भा पक्षकार द्वारा हस्ताक्षर किया जाना चाहिये। यदि विवरण पर ऐसे पक्षकारों में से किंसा एक द्वारा ह। हस्ताक्षर किया जाता है तो अन्य

पक्षकारों को और से कार्य करने के प्राधिकार के सन्निधित करने वाले वस्त्रात्रेज का एक प्रमाणित प्रति सन्निधित का जाना चाहिये।

5. सत्यापन विवरण पर हस्ताक्षर करने वाले सभी पक्षकारों द्वारा किया जाना चाहिये।

6. विवरण का प्रतिया में किया जाना चाहिये और उसके साथ यथास्थिति उस सविदा का, जिसके परिणामस्वरूप आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269कख (1)(ख) में निर्दिष्ट प्रकृति का व्यवहार या करार या ठहराव का शर्तों का अधिनियमित करने वाले विवरण का, जिसके परिणामस्वरूप उस अधिनियम का धारा 269कख (1)(ख) में निर्दिष्ट प्रकृति के व्यवहार हुआ है, का प्रतिया सन्निधित का जाना चाहिये।

[सं 4946 (फां.सं. 30/सख/81-टी.०.०.०.०.० (भाग)]

ई०के०की०श०, सचिव

MINISTRY OF FINANCE CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 31st July, 1982

INCOME-TAX

S.O. 546(E).—In exercise of the powers conferred by section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely :—

1 (1) These rules may be called the Income-tax (Eighth Amendment) Rules, 1982.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Income-tax Rules, 1962 (hereinafter referred to as the principal rules), after rule 48D, the following rules shall be inserted, namely :—

“48DD. Statement to be registered with the competent authority under section 269AB.

(1) The statement required to be registered with the competent authority under sub-section (2) of section 269AB shall be in Form No. 37EE and shall be signed and verified in the manner indicated therein by each of the parties to the transaction referred to in sub-section (1) of that section or by any of the parties to such transaction acting on behalf of himself and on behalf of the other parties.

(2) The statement in Form No. 37EE shall be made in duplicate and shall be furnished to the competent authority within a period of thirty days from the date on which the transaction referred to in sub-section (1) of section 269AB takes place.

Provided that in relation to any such transaction which has taken place between the 1st day of July, 1982 and the date of the publication of the Income-tax (Eighth Amendment) Rules, 1982 in the Official Gazette, the provisions of this sub-rule shall have effect as if for the words “thirty days” the words “sixty days” had been substituted.

(3) Where the competent authority considers that the statement in Form No. 37EE furnished under sub-section (2) of section 269AB is defective, he may intimate the defect to the parties or, as the case may be, the party furnishing such statement and give them an opportunity to rectify the defect within a period of fifteen days from the date of such intimation or within such further period which, on an application made in this behalf, the competent authority may, in his discretion, allow; and if the defect is not rectified within the period of fifteen days or, as the case may be, the further period so allowed, then, notwithstanding anything contained in any other provision of this rule, the statement in Form No. 37EE shall be treated as an invalid statement and the provisions of the Act shall apply as if the parties to the transaction had not complied with the provision of section 269AB.

(4) The competent authority shall, within a period of sixty days from the date of the receipt by him of the statement in Form No. 37EE or, as the case may be, from the date of the rectification of the defects under sub-rule (3), make an order registering the statement under section 269AB; and if no such order is made by the competent authority within the said period of sixty days, the statement shall be deemed to have been registered under section 269AB as on the date on which the said period of sixty days expires.”

3. In Appendix II to the principal rules, after Form No. 37F, the following form shall be inserted, namely :—

“FORM NO. 37EE”

[See rule 48DD]

STATEMENT TO BE REGISTERED WITH THE COMPETENT AUTHORITY UNDER SECTION 269AB (2) OF THE INCOME-TAX

ACT, 1961

1. Name and address of the transferor
2. Name and address of the transferee
3. @ Detailed description, location and other particulars of the property transferred.
4. Whether land is freehold or leasehold
5. In the case of building :—
 - (a) floorwise plinth area
 - (b) year or years in which the building was constructed.
6. Where the transfer of property involves transaction of the nature referred to in section 269AB(1)(a)
 - (a) date of transfer
 - (b) date on which possession of the property was taken by the transferee.
If the date at (b) above is prior to the date at (a) above and the transferee retains the possession of the property in apt performance of the contract and does some other act in furtherance of the contract :—
 - (i) the nature of the act performed by the transferee in furtherance of the contract ;
 - (ii) the date on which such act was performed by the transferee. (Also attach copy of the contract)
7. Where the transfer of property involves transaction of the nature referred to in section 269AB(1)(b)—
 - (a) name and address of the co-operative society company or other association of persons
 - (b) date of becoming a member of and/or acquiring shares in co-operative society company or other association of persons
 - (c) number and face value of the shares
 - (d) if the transfer is otherwise than by way of transfer of share in a co-operative society, a company or other association of persons
 - (i) the nature of act having the effect of transferring or enabling the enjoyment, of property
 - (ii) the date of which such act was performed (Attach statement setting out the terms of the agreement or arrangement)
8. Name and address of person(s), if any, in occupation of the property.

9. *Name and address of any other person(s) interested in the property.
10. Consideration for transfer
11. Estimated fair market value of the property.
12. If the transfer is by way of exchange, description and location of the thing or things for which the property is exchanged.
13. £Fair market value of the thing or things mentioned against item 12.
14. If the consideration for transfer is less than the estimated fair market value, whether the transferee is a relative of the transferor, and, if so, indicate relationship and state whether the transfer for a consideration which is less than the fair market value is on account of natural love and affection.

.....
Signature(s) of the person(s) making
the statement.

VERIFICATION

I/We....., do hereby declare that what is stated above is true to the best of my/our knowledge and belief.

Verified today theday of.....19 ..

.....
Signature

NOTES :

1. @ If the space is insufficient, separates enclosure may be used for the purpose.

2. *"Person interested" in relation to any immovable property, includes all persons claiming or entitled to claim an interest in the compensation payable on account of the acquisition of the property under Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961.
3. £"Fair market value", in relation to any immovable property transferred, means the price that immovable property would ordinarily fetch on sale in the open market on the date of execution of the instrument of transfer of such property.
4. This statement should be signed by each of the parties, to the transaction referred to in section 269AB(1) of the Income-tax Act, 1961 or by any of the parties to such transaction acting on behalf of himself and on behalf of the other parties. If the statement is signed only by one of such parties certified copy of document evidencing authority to act on behalf of other parties should be attached.
5. Verification should be made by all the parties signing the statement.
6. The statement should be made in duplicate and should be accompanied by two copies of contract resulting in the transaction of the nature referred to in section 269AB(1)(a) of the Income-tax Act, 1961 or, as the case may be, of a statement setting out the terms of the agreement or arrangement resulting in the transaction of the nature referred to in section 269AB(1)(b) of that Act."

[No. 4846 (F. No. 30/FB/81-TPI (Pt.)]

E. K. KOSHI, Secy.

Central Board of Direct Taxes